3.लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष

1. लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में हित-समूहों की क्या भूमिका होती है?

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में हित-समूहों की निम्नलिखित भूमिका होती है।

(i) सरकार को सचेत रखना - जब कभी सरकार जनता की उचित माँगों पर ध्यान नहीं देती है तब हित-समूह विविध तरीकों से जनता की उचित माँगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कर एक सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

(ii) आंदोलन को सफल बनाना - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अनेक तरह के जनआंदोलन चलते रहते हैं। ऐसे जनआंदोलनों में नारी सशक्तीकरण आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, शराब-विरोधी आंदोलन प्रमुख हैं। हित-समूह ऐसे आंदोलनों को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

(iii) राजनीतिक दलों को प्रभावित करना - हित-समूह अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राजनीतिक दलों को प्रभावित करते हैं, क्योंकि हित-समूहों एवं राजनीतिक दलों के बीच प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध रहता है।

2. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के सामने अंकों की चुनौतियाँ होती हैं। एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष के रूप में आप इन चुनौतियों से कैसे निपटेंगे ?

उत्तर - राजनीतिक दलों का सबसे अधिक ध्यान निर्वाचन में अधिक-से-अधिक सीटों पर जीत प्राप्त करने पर रहता है। इसके लिए किसी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को संगठनात्मक चुनाव, चुनाव में स्वच्छ छवि वालों को टिकट

का आवंटन, युवाओं और महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी, चुनाव के बाद नतीजों का सर्वेक्षण तथा अपने कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जनता दरबार लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

3. जनसंघर्ष का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर - जनता जब सरकार की कुछ निश्चित नीतियों अथवा निर्णयों के विरोधस्वरूप बड़े पैमाने पर अपनी माँगों को मनवाने के लिए संघर्ष करने लगती है तब उसे जनसंघर्ष अथवा जनआंदोलन कहा जाता है। इस प्रकार की स्थिति तब आती है जब जनता को यह आभास हो जाता है कि सरकार उनके हितों की अनदेखी कर रही है। इस प्रकार के जनसंघर्ष का उद्देश्य सत्तापक्ष से अपनी बातों को मनवाना या अपने हितों की रक्षा करना होता है। सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में इस प्रकार की अनेक विकृतियाँ उत्पन्न होती रहती हैं। इन विकृतियों को दूर करने के उद्देश्य से जो जनसंघर्ष अथवा जनआंदोलन होते हैं उन्हें संघर्ष का सकारात्मक पक्ष कहा जाता है। परंतु, वर्तमान व्यवस्था के विरुद्ध अपनी असंतुष्टि या असहमति को संघर्ष के माध्यम से व्यक्त करना जनसंघर्ष का नकारात्मक पक्ष है।

4. लोकतंत्र को सफल बनाने राजनीतिक दलों की भूमिका पर प्रकाश डालें।

उत्तर - राजनीतिक दल ही लोकतंत्र के मुख्य आधार हैं। कहा भी जाता है कि लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल प्राण की तरह हैं। लोकतंत्र की सफलता राजनीतिक दलों की भूमिका पर ही निर्भर है। वे नागरिकों में राजनीतिक चेतना जगाते हैं, निर्वाचन में भाग लेते हैं तथा सरकार का गठन करते हैं।

लोकतंत्र का दूसरा नाम प्रातिनिधिक सरकार है। जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन राजनीतिक दलों के आधार पर भी होता है।

5. बिहार के किन्हीं तीन राज्यस्तरीय दलों के नाम बताएँ ।

उत्तर - देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार राज्य में भी अनेक राज्यस्तरीय दल सक्रिय हैं। बिहार के राज्यस्तरीय दल निम्नलिखित हैं।

(i) जनता दल (यूनाइटेड) (ii) लोक जनशक्ति पार्टी तथा (iii) हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा

6. विपक्षी दल चार प्रमुख कार्यों का वर्णन करें। उत्तर- विपक्षी दल के चार प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं।

(i) सत्तारूढ़ दल पर नियंत्रण रखना, (ii) कानून निर्माण में सदन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाना, (iii) जनता की शिकायतों को सरकार के समक्ष रखना और (iv) सरकार के साथ सकारात्मक कदम उठाकर देश के विकास में सहायता करना तथा लोकतंत्र को सफल बनाना

7. राजनीतिक दलों के किन्हीं चार दोषों का वर्णन करें।

उत्तर - राजनीतिक दलों के चार दोष निम्नलिखित हैं।

(i) दलों द्वारा चुनाव के समय झूठे वादे कर जनता को गुमराह किया जाता है। (ii) दलों द्वारा अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु काले धन का प्रयोग किया जाता है। (iii) दलों द्वारा जातीयता एवं सांप्रदायिकता को

प्रोत्साहित किया जाता है। (iv) इनमें अनुशासन एवं ठोस सिद्धांतों का अभाव पाया जाता है।

8. उदाहरणसहित राजनीतिक दल की विभिन्न पद्धतियों पर प्रकाश डालें।

उत्तर - सामान्यतः, तीन प्रकार की दल-पद्धतियाँ होती हैं- एकदलीय पद्धति, द्विदलीय पद्धति और बहुदलीय पद्धति । एकदलीय पद्धति उसे कहते हैं जहाँ एक ही दल को मान्यता प्राप्त रहती है और अन्य दलों के अस्तित्व को बरदाश्त नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, चीन में एक ही दल - कम्युनिस्ट पार्टी - का अस्तित्व है। द्विदलीय पद्धति उसे कहते हैं जहाँ दो ही मुख्य राजनीतिक दल होते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका इसके सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। ब्रिटेन में दो प्रमुख दल हैं- लेबर पार्टी एवं कंजरवेटिव पार्टी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही मुख्य दल हैं। जिस देश में अनेक दलों का अस्तित्व बना रहता है उसे बहुदलीय पद्धति कहते हैं। फ्रांस और भारत जैसे देशों में बहुदलीय पद्धति है।

9. राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के तीन उपाय संक्षेप में लिखें।

उत्तर - राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के लिए निम्नांकित तीन उपाय किए जा सकते हैं।

(i) वंशवाद, जातिवाद, व्यक्तिपूजा जैसी बुराइयों से राजनीतिक दलों को परहेज और सादगी, व्यक्ति के गुण, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, लोकप्रियता जैसे गुणों को प्रतिष्ठित करना होगा।

(ii) सिद्धांतहीनता और अवसरवादी छवि से बाहर निकालने के लिए बुनियादी सिद्धांतों को प्रतिस्थापित करना होगा। इन सिद्धांतों के आधार पर कार्यक्रम निर्मित करना होगा।

(iii) दल के अंतर्गत आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना करनी होगी। व्यक्तिपूजा की जगह व्यक्ति की निष्ठा और संगठनात्मक निर्वाचन की प्रक्रिया को मजबूत बनाकर ही राजनीतिक दल को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

10. राजनीतिक दल और हित-समूह में प्रधान अंतर क्या होता है?

उत्तर - राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य सत्ता में परिवर्तन लाते हुए उसपर नियंत्रण करना होता है, जबकि हित-समूह का मुख्य लक्ष्य सत्ता पर नियंत्रण नहीं, बल्कि अपने उद्देश्यों तक ही सीमित होता है। विभिन्न पेशों में लगे हुए लोग; यथा-डॉक्टर, वकील, शिक्षक इत्यादि अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए संघ का निर्माण करते हैं। इन समूहों को ही हित-समूह की संज्ञा दी जाती है।

11. दबाव-समूह से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - दबाव-समूह ऐसे व्यक्तियों का समूह होता है जो कुछ विशेष लाभ के लिए आपस में बँधे होते हैं। उन्हीं समूहों को दबाव समूह कहा जा सकता है जिनमें संगठन है, जिनमें विशेष कार्यकर्ता होते हैं, जिनके सामाजिक एवं राजनीतिक उद्देश्य स्पष्ट रूप से सुनिश्चित होते हैं। दबाव समूह का अर्थ है- "यह कुछ व्यक्तियों का ऐसा समूह है, जो मान्य एवं सामान्य उद्देश्यों की प्राप्ति

के लिए सरकार से कुछ माँगें करके सामान्य नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करता है।"

12. दबाव समूह की विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर - दबाव-समूह की निम्नांकित विशेषताएँ हैं।

(i) दबाव समूह द्वारा ही राजनीतिक पद्धति में मूल्यों के वितरण का काम संपन्न किया जाता है।

(ii) अपने हितों की रक्षा के लिए यह राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेता है। राजनीति में भाग लेते हुए भी यह अपने राजनीतिक स्वरूप को छिपाने का प्रयास करता है। यह अपना गैर-राजनीतिक स्वरूप उजागर करता है।

(iii) इसका चरित्र राजनीतिक दलों से भिन्न होता है। राजनीतिक दल एक बड़ा संगठन होता है, जिसके अपने निश्चित सिद्धांत और कार्यक्रम होते हैं। इसके विपरीत, दबाव समूह में सदस्य संख्या कम होती है और वह अपनी वफादारी एक दल से दूसरे दल में बदलता रहता है।

(iv) दबाव-समूह के कई रूप होते हैं; जैसे - वर्गीय दबाव समूह, लक्षीय दबाव समूह, संस्थागत दबाव समूह, गैर-संघीय दबाव समूह, संघीय दबाव समूह इत्यादि ।

13. दबाव समूह राजनीतिक दलों पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं?

उत्तर - यों तो दबाव समूह सीधे तौर पर सक्रिय राजनीति में हिस्सा नहीं लेते हैं, परंतु अपने क्रियाकलापों के माध्यम से ये राजनीतिक दलों को निरंतर

प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। प्रायः, प्रत्येक आंदोलन का एक राजनीतिक पक्ष होता है जिसके कारण दबाव समूह एवं राजनीतिक दलों के बीच प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध स्थापित हो जाता है। कभी-कभी ऐसी भी स्थिति देखी जाती है कि राजनीतिक दल ही सरकार को प्रभावित करने के उद्देश्य से दबाव समूहों का गठन कर डालते हैं। इस प्रकार के दबाव-समूह उस राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में कार्य करने लगते हैं। कभी-कभी तो किसी उद्देश्य से गठित दबाव समूह ही राजनीतिक दल का रूप ग्रहण कर लेते हैं; जैसे - झारखंड मुक्ति मोर्चा, असम गण परिषद् आदि ।

14. राष्ट्रीय राजनीतिक दल किसे कहते हैं ?

उत्तर - निर्वाचन आयोग के द्वारा राजनीतिक दलों के स्तर का निर्धारण किया जाता है। इनमें कुछ राष्ट्रीय दल होते हैं। राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं।

(i) लोकसभा या विधानसभा चुनाव में चार या अधिक राज्यों में कुल डाले गए वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करना आवश्यक है।

(ii) साथ ही, किसी राज्य अथवा राज्यों से लोकसभा में चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है। अथवा, लोकसभा में कम-से-कम तीन राज्यों से 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त करना आवश्यक है।

15. बिहार में हुए 'छात्र आंदोलन' के प्रमुख कारण क्या थे?

उत्तर - 1971 के लोकसभा चुनाव के उपरांत लोगों ने महसूस किया कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आर्थिक स्थिति और दयनीय हो

गई है। 1971 में बांग्लादेश का निर्माण हुआ, परंतु बांग्लादेशी शरणार्थियों की समस्या ने इस स्थिति को और भी भयावह बना दिया। बेरोजगारी, खाद्यान्न का अभाव, दैनिक जीवन की सभी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई । अनाज की कीमतें आसमान छूने लगीं। ऊपर से सरकार की दमनकारी नीतियों ने अधिनायकवादी व्यवस्था का रूप ले लिया। जनता की बेचैनी दिनानुदिन बढ़ती चली गई। बिहार में इस अकुलाहट का प्रतिनिधित्व यहाँ के छात्रों ने किया। इन्हीं कारणों से बिहार में छात्र आंदोलन प्रारंभ हो गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।

16. राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र की रीढ़' क्यों कहा जाता है?

उत्तर - राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र की रीढ़' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि राजनीतिक दल के अभाव में हम लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं कर सकते। चुनाव की घोषणा होने पर विभिन्न दल अपने-अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं तथा चुनाव में जीत हासिल करनेवाली पार्टी सरकार का गठन करती है और शेष पार्टियाँ विपक्ष की भूमिका निभाती हैं। विपक्ष में रहनेवाली यही पार्टियाँ सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करके जनता का ध्यान उनकी ओर आकृष्ट करती हैं। अतः, स्पष्ट है कि राजनीतिक दल 'लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं।

लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष

1. चिली में लोकतंत्र की वापसी के लिए हुए संघर्ष का वर्णन करें।

उत्तर - जब हम इतिहास के पन्नों को उलटते हैं तब हमें इस बात का ज्ञान हो जाता है कि लोकतंत्र की स्थापना के लिए अनेक देशों में जनांदोलन हुए हैं। दक्षिणी अमेरिका का एक देश है चिली चिली में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था फल-फूल रही थी। वहाँ के तत्कालीन राष्ट्रपति आयेंदे की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में पूरी आस्था थी। परंतु, 11 सितंबर 1973 को वहाँ सैनिक शासन स्थापित हो गया और लोकतंत्र समाप्त हो गया। यहाँ तक कि आयेंदे की हत्या भी कर दी गई। शासन की बागडोर जनरल ऑगस्तो पिनोशे ने हथिया ली। चिली 17 वर्षों तक सैनिक शासन से त्रस्त रहा। पिनोशे 17 वर्षों तक राष्ट्रपति पद पर बना रहा। जनता में अंदर-ही-अंदर सैनिक शासन के विरुद्ध आग सुलग रही थी। स्वाभाविक रूप से पिनोशे के सैनिक शासन का तो अंत होना ही था। पिनोशे को पूर्ण विश्वास था कि जनता उसके साथ है। इसी विश्वास से 1988 में उसने जनमत-संग्रह कराने का निर्णय लिया। उसे विश्वास था कि जनता उसके शासन को जारी रखने के पक्ष में मतदान करेगी ही। परंतु, पासा पलट गया। जनता तो पहले से ही मौके की तलाश कर रही थी। वह अपनी लोकतांत्रिक परंपरा को भला कैसे भूल सकती थी और जब सुनहरा अवसर मिला तो भला वह चूकती कैसे? चिली की जनता ने पिनोशे की सरकार को नकार दिया और देश ने लोकतंत्र की वापसी में सफलता प्राप्त कर ली। 2006 के जनवरी माह में पिनोशे सरकार की तानाशाही की शिकार समाजवादी नेता मिशेल बैशेले लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की राष्ट्रपति निर्वाचित हो गई। यह लोकतंत्र में जनता की आस्था का द्योतक है।

2. आप किस तरह कह सकते हैं कि बिहार से शुरू हुआ छात्र आंदोलन का स्वरूप राष्ट्रीय हो गया?

2. आप किस तरह कह सकते हैं कि बिहार से शुरू हुआ छात्र आंदोलन का स्वरूप राष्ट्रीय हो गया ?

उत्तर - बेरोजगारी, खाद्यात्र की आसमान छूती कीमतें, खाद्यान्न का घोर अभाव, खाद्य तेल की किल्लत आदि ने महँगाई के बोझ को असहनीय बना दिया। 1972-73 में मानसून की असफलता से देश की आर्थिक स्थिति और भी गंभीर हो गई। सरकार की बढ़ती हुई पाबंदियों ने जनता के असंतोष और आक्रोश को और भी बढ़ा दिया। सरकार की गलत नीतियों को इसके लिए उत्तरदायी मानकर जनता विरोध में खड़ी हो गई।

इस आक्रोश और विरोध की अभिव्यक्ति का प्रारंभ बिहार से हुआ। 1974 में बिहार के छात्रों ने इसे व्यापक छात्र आंदोलन का रूप दे दिया। इसी समय पटना के गाँधी मैदान में विशाल जनसमूह को जयप्रकाश नारायण ने संबोधित किया। छात्रों के आग्रह पर इस अहिंसक आंदोलन के नेतृत्व की बागडोर जयप्रकाश नारायण ने स्वीकार कर ली।

केंद्रीय स्तर पर काँग्रेस का विकल्प प्रस्तुत करने के लिए सभी गैर-काँग्रेसी दल एकजुट हो गए और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में इस आंदोलन को राष्ट्रव्यापी स्वरूप प्राप्त हो गया।

3. नेपाल में लोकतंत्र की वापसी पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र से प्रभावित होकर हमारा पड़ोसी देश नेपाल भी लोकतंत्र की डगर पर चल पड़ा। पहले वहाँ राजतंत्र था। सारी शक्ति राजा के हाथों में केंद्रित थी। वहाँ राजा को देवतातुल्य समझा जाता था। परंतु, आधुनिक विश्व में लोकतंत्र का बोलबाला है, भला नेपाल कब तक अपने को इससे अछूता रखता। वहाँ 1990 के दशक में लोकतंत्र कायम हुआ। इसके बावजूद राजा वीरेंद्र स्वयं औपचारिक रूप से राज्य के प्रधान बने रहे। परंतु, वास्तविक सत्ता जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास थी। स्वयं राज्य का औपचारिक प्रधान बने रहने के बावजूद राजा वीरेंद्र ने वहाँ लोकतंत्र के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया था। परंतु, दुर्भाग्यवश शाही खानदान के एक रहस्यमय कत्लेआम में राजा वीरेंद्र की हत्या कर दी गई। इसके बाद ज्ञानेंद्र नेपाल के राजा बने। वे लोकतांत्रिक शासन के खिलाफ थे। परिणामस्वरूप, उन्होंने 2002 में संसद को भंग कर पूर्ण राजशाही की घोषणा कर दी। उन्हें यह विश्वास था कि विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं में इतना मतभेद है कि यदि वे राजशाही के विरुद्ध संघर्ष करना भी चाहें तो उन्हें जनसमर्थन नहीं मिलेगा।

राजा ज्ञानेंद्र द्वारा राजशाही की घोषणा एवं निर्वाचित सरकार की बर्खास्तगी से नेपाली जनता एवं नेपाल के विभिन्न राजनीतिक दलों की बौखलाहट काफी बढ़ गई। परिणामस्वरूप, राजनीतिक दलों ने आपस में समझौता कर सात दलों का गठबंधन बनाया। बाद में चलकर माओवादी भी सात दलों के गठबंधन में शामिल हो गए। इस गठबंधन के नेतृत्व में लाखों की संख्या में जनता लोकतंत्र के समर्थन एवं राजशाही के विरोध में सड़कों पर उतर आई।

6 अप्रैल 2006 से नेपाली जनता लोकतंत्र की वापसी के लिए सघन रूप से जनसंघर्ष करने के लिए बाध्य हो गई। अंततः, द्वारा चलाए गए जनसंघर्ष के परिणामस्वरूप राजशाही को मुँह की खानी पड़ी और सात दलों के गठबंधन एवं जनता की जीत हुई। बाध्य होकर राजा ज्ञानेंद्र को 24 अप्रैल 2006 को संसद को पुनः बहाल कर सत्ता सात दलों के गठबंधन को सौंपने की घोषणा करनी पड़ी। 30 अप्रैल 2006 को गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई।

4. 'चिपको आंदोलन' क्या है ? अगर आपके आसपास के किसी पेड़ को कोई काटता है, तो आप क्या करेंगे?

उत्तर - 'चिपको आंदोलन' उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के गढ़वाल में किया गया आंदोलन है। उत्तराखंड में वन विभाग के अधिकारियों ने व्यवसायियों को अपने व्यवसाय के लिए वन के भूखंड आवंटित कर उन्हें पेड़ काटने की इजाजत दे दी थी, जबकि स्थानीय लोगों को ऐसा करने से मनाही कर दी गई थी। इसके विरोध में निकट के गाँव वालों ने आंदोलन कर दिया कि व्यावसायिक आधार पर पेड़ों की कटाई का कोई औचित्य नहीं है। इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों (खासकर महिलाओं) ने एक अनूठा तरीका अपनाया। वे पेड़ों को काटने से पहले ही उनसे चिपक जाती थीं जिससे पेड़ की कटाई संभव नहीं हो सके। इसी कारण इस आंदोलन का नाम 'चिपको आंदोलन' पड़ा। इस आंदोलन में पेड़ों की कटाई को रोकने के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने कृषि कार्य के औजार के निर्माण हेतु 'अंगू' नामक पेड़ की कटाई की इजाजत भी माँगी जिसे वन के अधिकारियों द्वारा अस्वीकृत

कर दिया गया। इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने इस आंदोलन को जनसंघर्ष का रूप दे दिया। फलस्वरूप, सरकार को झुकने के लिए बाध्य होना पड़ा। सरकार द्वारा 15 वर्षों के लिए हिमालयी क्षेत्रों में वनों की कटाई पर रोक लगा दी गई।

यदि हमारे आसपास भी कोई पेड़ों की कटाई का प्रयास करता है, तो पहले हम पेड़ों की उपयोगिता से उसे अवगत कराने का प्रयास करेंगे। फिर, कुछ लोग पेड़ों से चिपकने का प्रयास करेंगे जिससे उसकी कटाई में बाधा उपस्थित हो। इससे भी यदि बात नहीं बनती हो, तो संबंधित वन अधिकारी या उच्चाधिकारी से शिकायत कर कानूनन उसे रोकने का प्रयास करेंगे।

5. लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

उत्तर - लोकतंत्र में जनसंघर्ष की निम्नलिखित उपयोगिताएँ हैं।

(i) जनसंघर्ष लोकतंत्र की स्थापना के साथ-साथ उसकी पुनर्स्थापना में भी सहायक सिद्ध होता है। सत्ता पक्ष और सत्ता में साझेदारी के लिए प्रयासरत लोगों के बीच प्रतिस्पर्द्धा चलती रहती है। जनसंघर्ष के द्वारा लोकतंत्र में साझेदारी चाहनेवालों को सफलता भी मिल जाती है।

(ii) कुछ गिने-चुने सक्रिय लोगों या दलों की लामबंदी तथा उनके संगठित होने पर भी जनसंघर्षों को सफलता मिल जाती है।

(iii) जनसंघर्ष होने की स्थिति में अनेक संगठनों एवं राजनीतिक दलों की सक्रियता निश्चित रूप से बढ़ जाती है। विभिन्न हित-समूह एवं दबाव समूह संयुक्त रूप से जनसंघर्ष को सफल बनाने में कारगर भूमिका अदा करते हैं।

लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता तब और बढ़ जाती है जब इसमें राजनीतिक दल एवं दबाव-समूह की सहभागिता बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, नेपाल में लोकतंत्र की वापसी के लिए किए गए जनसंघर्ष में सात राजनीतिक दलों ने सक्रिय भूमिका निभाई जिसे नेपाल के अनेक दबाव समूहों का समर्थन मिला। म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए चलाए गए व्यापक जनसंघर्ष में दबाव समूहों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। चिली में लोकतंत्र की वापसी के संघर्ष में राजनीतिक दल और दबाव-समूहों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1974 में भारत में जो जनसंघर्ष हुआ, उसमें भी विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ-साथ दबाव समूहों की भी सक्रियता थी । स्पष्ट है कि लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

6. राजनीतिक दल किस तरह सत्ता में साझेदारी करते हैं?

उत्तर - लोकतंत्र राजनीतिक दलों द्वारा क्रियान्वित होनेवाली शासन व्यवस्था है। ये सत्ता में सबसे प्रबल साझेदार होते हैं। इनकी सत्ता की साझेदारी में निम्नांकित भूमिका होती है।

(i) अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों के अनुरूप जनता का प्रशिक्षण एवं जनसमर्थन प्राप्त कर ये सत्ता के प्रमुख भागीदार बनते हैं।

(ii) राजनीतिक दल सत्ता के सशक्त दावेदार के रूप में निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

(iii) ये बहुमत प्राप्त कर सरकार का गठन करते और निर्णय-केंद्र के रूप में सरकार की समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हैं।

(iv) विरोधी दल की भूमिका में ये सत्ता और सरकार की नीतियों एवं निर्णयों की आलोचना करते हैं। उसपर व्यापक बहस के लिए ये उसे जनता के बीच ले जाते हैं और सरकार पर दबाव डालते हैं।

(v) ये जनता और सरकार, नौकरशाही तथा जनता के बीच संपर्क का प्रमुख माध्यम बनकर राजनीतिक प्रक्रिया के भागीदार बने रहते हैं।

(vi) ये स्थानीय शासन के प्रतिनिधियों का समर्थन करके सहयोग के द्वारा भी स्थानीय राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी करते हैं।

7. राजनीतिक दलों के गठबंधन से आप क्या समझते हैं? क्या गठबंधन समय की माँग है ?

उत्तर - जब चुनाव में किसी एक राजनीतिक दल के बहुमत में आने की संभावना नहीं दिखाई देती है तो ऐसी स्थिति में दो या दो से अधिक विभिन्न सिद्धांतों में विश्वास रखनेवाले राजनीतिक दल गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ने का निर्णय लेते हैं, तब उसे राजनीतिक दलों का गठबंधन कहा जाता है। उदाहरण के लिए, नवंबर 2010 में बिहार विधानसभा के चुनाव में जनता दल (यू) और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन चुनाव में सम्मिलित हुआ। कभी-कभी चुनाव में किसी एक दल के बहुमत नहीं आने पर सरकार के गठन के उद्देश्य से कुछ राजनीतिक दल आपसी गठबंधन करके सरकार चलाने का निर्णय लेते हैं। इसे गठबंधन की राजनीति कहते हैं।

भारत में गठबंधन की राजनीति अब समय की माँग बन गई है। अब कभी-कभी केंद्र में तथा कुछ राज्यों में कोई राजनीतिक दल अकेले सरकार बनाने की स्थिति में नहीं दिखाई देता है। 1977 के चुनावों के बाद से ही भारतीय राजनीति में एक राजनीतिक दल के वर्चस्व का दौर समाप्त हो गया है। 1991 में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में काँग्रेस की सरकार अवश्य बनी। परंतु, उसे कामचलाऊ बहुमत प्राप्त था। इसी कारण सांसदों की खरीद-फरोख्त सबसे अधिक नरसिम्हा राव के शासनकाल में ही हुई। राजनीतिक दलों के गठबंधन का प्रचलन केंद्र के साथ-साथ राज्यों में भी फैल चुका है। राज्यों में भी एक राजनीतिक दल की सरकारों की संख्या घटती जा रही है। इस प्रकार, राजनीतिक दलों के गठबंधन की सरकार आज के समय की माँग है।

8. म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए हुए जनसंघर्ष का वर्णन करें।

उत्तर - म्यांमार 1948 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुआ और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था स्थापित करने में सफल रहा। परंतु, 14 वर्षों के बाद 1962 में वहाँ सैनिक शासन की स्थापना हो गई। लंबे अंतराल के बाद 1990 में वहाँ निर्वाचन हुआ और आंग सान सू ची के नेतृत्व वाली नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एन०एल०डी०) नामक पार्टी को बहुमत मिला। लेकिन, वहाँ के सैनिक शासकों ने निर्वाचन को अस्वीकार करते हुए सत्ता छोड़ने से इनकार कर दिया और सू ची तथा उनके समर्थक नेताओं को जेल में डाल दिया। लोकतंत्र के समर्थकों को अनेक यातनाएँ दी गईं। परंतु, म्यांमार में लोकतंत्र की स्थापना के लिए जनसंघर्ष जारी रहा। सितंबर 2007 से लोकतंत्र के लिए जनसंघर्ष में और भी जोश आ गया। बौद्ध भिक्षुओं ने भी इस संघर्ष में

सम्मिलित होकर लोकतंत्र के मार्ग को प्रशस्त किया। सैनिक शासकों के दमनचक्र की विश्व स्तर पर आलोचना हुई। परिणामस्वरूप, नवंबर 2010 में चुनाव हुआ जिसमें सेना समर्थित पार्टी को बहुमत मिला। 13 नवंबर 2010 को सू ची को आजाद कर दिया गया। इस प्रकार, म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए सू ची के नेतृत्व में संघर्ष चलता रहा। सू ची ने कहा कि वह सैनिक शासन वाले अपने राष्ट्र में मानवाधिकार, विधि के शासन तथा सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगी। लोकतंत्र की स्थापना के लिए वहाँ हो रहे संघर्ष के चलते ही सैनिक शासकों ने म्यांमार में चुनाव कराया। सूची का संघर्ष सफल रहा। सू ची की पार्टी को 2014 के निर्वाचन में भारी बहुमत मिला तथा वहाँ लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार का सेना ने फरवरी 2021 में तख्तापलट कर दिया। वहाँ की सैन्य अदालत ने उन्हें 30 दिसंबर 2022 को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने सैन्य अदालत के आरोपों को फर्जी करार दिया है। इन आरोपों के विरुद्ध वहाँ की जनता निरंतर संघर्ष कर रही है।

9. राजनीतिक दलों को 'लोकतंत्र का प्राण' क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। सरकार के संचालन में ये महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेते हैं, अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं तथा चुनाव में जीत हासिल करने पर सरकार का निर्माण करते हैं। ये दल लोकतांत्रिक देशों में जीवन का एक अंग बन चुके हैं। ये जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देते हैं। ये न केवल

राजनीतिक कार्य करते हैं, बल्कि गैर-राजनीतिक कार्य भी करते हैं। बाढ़, सुखाड़, आगजनी, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान ये जनता की सेवा कर सरकार को सहयोग प्रदान करते हैं। राजनीतिक दल जनता एवं सरकार के मध्य सेतु का भी कार्य करते हैं।

इसके साथ-ही-साथ विपक्ष में रहनेवाली पार्टियाँ सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करके उचित मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। अतः, स्पष्ट है कि राजनीतिक दलों के बिना हम लोकतंत्र की कल्पना कर ही नहीं सकते। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है।

10. राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों की मान्यता कौन प्रदान करता है और इसके मापदंड क्या हैं?

उत्तर - राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय दलों की मान्यता निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान किया जाता है। किसी भी दल को राष्ट्रीय दल कहलाने के लिए निम्नलिखित मानदंड आवश्यक हैं।

(i) लोकसभा या विधानसभा चुनाव में चार या अधिक राज्यों में कुल डाले गए वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करना आवश्यक है।

(ii) साथ ही, किसी राज्य अथवा राज्यों से लोकसभा में चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है। अथवा, लोकसभा में कम-से-कम तीन राज्यों से 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त करना आवश्यक है।

(iii) कम-से-कम चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त हो । किसी भी दल को राज्य स्तरीय दल कहलाने के लिए निम्नलिखित मापदंड आवश्यक हैं।

(i) विधानसभा की कुल सीटों में 3 प्रतिशत मत प्राप्त करना

(ii) लोकसभा चुनाव में न्यूनतम हर 25 सीट में 1 सीट पर जीत हासिल करना

(iii) कुल वैध मतों का 6 प्रतिशत प्राप्त करना

11. लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका का विवेचन करें।

उत्तर - संसदीय लोकतंत्र की सफलता की एक आवश्यक शर्त यह है कि एक संगठित विपक्षी दल अवश्य रहे। भारत का यह दुर्भाग्य रहा है कि ब्रिटेन और अमेरिका की तरह यहाँ ऐसा कोई विरोधी दल नहीं है जो अकेले अपनी सरकार बनाने में समर्थ हो सके। भारत में राजनीतिक दलों के ध्रुवीकरण की दिशा में कभी ठोस कदम नहीं उठाया जा सका। जयप्रकाश नारायण के प्रयास के फलस्वरूप 1977 के चुनाव के अवसर पर पहली बार विपक्ष ने जनता पार्टी के रूप में उभरकर सत्ता प्राप्त की। परंतु, कालांतर में इस दल ने भी अपने को एक गठबंधन सिद्ध कर दिया और बिखरकर पुनः कई दलों में विभक्त हो गया। प्रतिपक्षी एकता के प्रयास के फलस्वरूप 1983 में भारतीय जनता पार्टी और लोकदल द्वारा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा तथा जनता पार्टी का काँग्रेस (स), लोकतांत्रिक समाजवादी दल और राष्ट्रवादी काँग्रेस द्वारा गठित संयुक्त मोर्चा बना, परंतु यह काँग्रेस (इ) का विकल्प नहीं बन सका।

कुछ हद तक चुनावी तालमेल में भले ही इन्हें सफलता मिली, परंतु भारतीय राजनीति में इनकी कोई स्पष्ट भूमिका देखने को नहीं मिल सकी।

1996 तक काँग्रेस (इ) पार्टी सशक्त बनी रही, परंतु 1996 के बाद लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एक सशक्त दल के रूप में उभरकर आई और काँग्रेस (इ) को विपक्ष की ही भूमिका निभाने के लिए बाध्य होना पड़ा। 2004 में परिस्थिति में हलका परिवर्तन हुआ और 2004 के लोकसभा चुनाव में सदन में सर्वाधिक स्थान पानेवाली पार्टी भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस ही रही। कई दलों को मिलाकर एक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन बना और केंद्र में इसी गठबंधन की सरकार बनी। इस प्रकार आठ वर्षों के अंतराल के बाद काँग्रेस पुनः सत्तारूढ़ दल की श्रेणी में आ गई। भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा में विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए बाध्य होना पड़ा। 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद कोई भी दल विरोधी दल का दर्जा पाने में असमर्थ रहा है।

12. राजनीतिक दल किस प्रकार राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं ?

उत्तर - राजनीतिक दलों की जनता में व्यापक पहुँच होती है। ये सरकार में भी सहयोगी या विरोधी की भूमिका में होते हैं। इस रूप में ये सरकार और जनता के बीच कड़ी का काम करते हैं। जनता की इच्छा और भावना से सरकार को अवगत कराकर और सरकार के कार्यों की जानकारी जनता तक पहुँचाकर ये सरकार के प्रति जनसमर्थन और सहयोग सुनिश्चित करते हैं।

इससे राजनीतिक स्थिरता आती है और सरकार प्रभावशाली होती है जो किसी देश के विकास के लिए आवश्यक है।

राजनीतिक दल विकास की नीति के प्रति समर्थन और सहयोग तथा प्राथमिकताओं पर सहमति और विरोध में सामंजस्य स्थापित करते हैं। जनता में जागरूकता, एकता, विकास की चेतना उत्पन्न करना राजनीतिक दलों का दायित्व होता है। ये भारत जैसे देश में विविधताओं के बीच सामंजस्य स्थापित कर तथा विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं।

13. राजनीतिक दलों के छह मुख्य कार्यों का वर्णन करें।

अथवा, राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य बताएँ ।

उत्तर - लोकतंत्र में राजनीतिक दल निम्नांकित छह महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं।

(i) जनता को शिक्षित करना - आज का राजनीतिक जीवन बहुत जटिल हो गया है। राजनीतिक मामलों में जनता को शिक्षित करने का काम राजनीतिक दल ही करते हैं। वे अपने कार्यक्रम, नीति और दृष्टिकोण जनता के सामने रखते हैं। इससे जनता को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।

(ii) जनमत का निर्माण - राजनीतिक दल जनमत का भी निर्माण करते हैं। जनता के सामने अपने कार्यक्रम रखते हैं। इससे जनता देश की राजनीतिक समस्याओं पर अपना मत निश्चित कर पाती है। इस तरह, ठोस जनमत का निर्माण संभव होता है।

(iii) निर्वाचन में भाग लेना - राजनीतिक दलों का सबसे प्रमुख कार्य चुनाव में भाग लेना है। चुनाव लड़ने के लिए वे अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं। जिस राजनीतिक दल के अधिक लोग निर्वाचित होकर आते हैं उसी की सरकार बनती है।

(iv) शासन चलाना - राजनीतिक दल देश के शासन में मुख्य रूप से भाग लेते हैं। जिस राजनीतिक दल की सरकार बनती है उसे सत्तारूढ़ दल कहा जाता है। सत्तारूढ़ दल की बैठक में ही सरकार की महत्त्वपूर्ण नीतियों का निर्धारण होता है।

(v) जनता और सरकार के बीच कड़ी का काम करना - ये जनता की माँगों एवं इच्छाओं को सरकार के सामने लाते हैं तथा उसे क्रियान्वित करवाते हैं। साथ ही, सरकार के कामों की जानकारी जनता तक पहुँचाकर दोनों के बीच कड़ी का काम करते हैं।

(vi) विरोधी दल के रूप में - ये विरोधी दल के रूप में सरकार की नीतियों एवं कार्यों की आलोचना करते हैं। गलत नीतियों का विरोध कर सरकार पर नियंत्रण रखते हैं।

3. लोकतंत्र मे प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष

1. भारतीय लोकतंत्र मे सत्ता के विरुद्ध जन आक्रोश किस दशक से प्रारंभ हुआ ?

(A) 1960 के दशक से

(B) 1970 के दशक से

(C) 1980 के दशक से

(D) 1990 के दशक से

Ans-B

2. 2011 में प्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन का नेतृक किसने किया ?

(A) किरण बेदी

(B) अन्ना हजारे

(C) बाबा रामदेव

(D) स्वामी अग्निवेश

Ans-B

3. बिहार में संपूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नांकित में किए 3 किया ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) नीतीश कुमार

(C) इंदिरा गाँधी

(D) जयप्रकाश नारायण

Ans-D

4. बिहार में छात्र आंदोलन की शुरुआत करने वाले थे -

(A) महात्मा गाँधी

(B) पं० जवाहरलाल नेहरू

(C) जयप्रकाश नारायण

(D) इंदिरा गाँधी

Ans-C

5. इनमें से कौन बिहार के महान दलित नेता थे ?

(A) महेन्द्र सिंह टिकैत

(B) जगजीवन राम

(C) भीमराव अंबेदकर

(D) इनमें से कोई नही

Ans-B

6. चिपको आन्दोलन का प्रारम्भ किसके द्वारा किया गया था ?

(A) महिलाओं द्वारा

(B) छात्रों द्वारा

(C) मजदूरों द्वारा

(D) किसानों द्वारा

Ans-A

7. "चिपको आन्दोलन" निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(A) पेड़ बचाने से

(B) आर्थिक शोषण की मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

(D) काँग्रेस पार्टी के विरोध से

Ans-A

8. चिपको आंदोलन का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने किया ?

(A) चंडी प्रसाद भट्ट

(B) सुन्दर लाल बहुगुणा

(C) महेन्द्र सिंह टिकेत

(D) हेमनन्दन बहुगुणा

Ans-B

9. चिपको आंदोलन' का क्या उद्देश्य था ?

(A) पर्यावरण की सुरक्षा

(B) नशाचंदी

(C) भंगी मुक्ति

(D) सुशासन

Ans-A

10. चिपको आंदोलन की शुरुआत किस राज्य से हुई ?

(A) उत्तराखंड से

(B) बिहार से

(C) मध्य प्रदेश से

(D) छत्तीसगढ़ से

Ans-A

11. भारतीय किसान दिवस कब मनाया जाता है ?

(A) 20 दिसम्बर

(B) 22 दिसम्बर

(C) 23 दिसम्बर

(D) 25 दिसम्बर

Ans-C

12. सोलहवीं लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

(A) 2012

(B) 2013

(C) 2014

(D) 2015

Ans-C

13. डॉ मेधा पाटकर घनिष्ठ रूप से जुड़ी हैं

(A) गंगा बचाओ आन्दोलन से

(B) दून घाटी आन्दोलन से

(C) नर्मदा बचाओ आन्दोलन से

(D) साइलेन्ट घाटी आन्दोलन से

Ans-C

14. 'नर्मदा घाटी परियोजना' किन राज्यों से संबंधित है ?

(A) बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

(B) तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक

(C) पं० बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब

(D) गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश

Ans-D

15. 'ताड़ी विरोधी आंदोलन' निम्नलिखित में से किस प्रांत में शुरू किया गया ?

(A) बिहार

(B) उत्तर प्रदेश

(C) आंध्र प्रदेश

(D) तमिलनाडु

Ans-C

16. किस राज्य से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के विरुद्ध आंदोलन की शुरुआत हुई ?

(A) तमिलनाडु

(B) केरल

(C) बिहार

(D) आंध्रप्रदेश

Ans-A

17. दलितवर्ग को समाज में एक गरिमापूर्ण स्थान दिलाने का प्रयास निम्नलिखित में से किसने किया ?

(A) डॉ० भीमराव अम्बेदकर

(B) महात्मा गाँधी

(C) जवाहरलाल नेहरू

(D) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

Ans-A

18. दलित पैंथर्स नामक संगठन का गठन किस राज्य में हुआ ?

(A) महाराष्ट्र

(B) कर्नाटक

(C) आँध्रप्रदेश

(D) मध्यप्रदेश

Ans-A

19. भारत में हुए 1977 के आम चुनाव में किस पार्टी को बहुमत मिला था

(A) काँग्रेस पार्टी को

(B) जनता पार्टी को

(C) कम्युनिस्ट पार्टी को

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

20. 'नर्मदा बचाओं आंदोलन' संबंधित है -

(A) पर्यावरण

(B) शिक्षा

(C) भ्रमण

(D) उर्वरक

Ans-A

21. भारत में पहली बार केन्द्र में गैर-काँग्रेसी सरकार कब बनी ?

(A) 1975

(B) 1977

(C) 1989

(D) 1991

Ans-B

22. वर्ष 1975 भारतीय राजनीति में किस लिए जाना जाता है ?

(A) इस वर्ष आम चुनाव हुए थे

(B) श्रीमती इंदिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनी थी

(C) देश के अंदर आपातकाल लागू हुआ था

(D) जनता पार्टी की सरकार बनी थी

Ans-C

23. लोकसभा में निर्वाचन हेतु कुल सीटों की संख्या है -

(A) 542

(B) 544

(C) 543

(D) 545

Ans-C

24. बिहार में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में आन्दोलन कब हुआ ?

(A) 1972

(B) 1973

(C) 1974

(D) 1975

Ans-C

25. 'चिपको आन्दोलन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित नहीं है ?

(A) अंगूर के पेड़ काटने की अनुमति से

(B) आर्थिक शोषण से मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

D) काँग्रेस पार्टी के विरोध से

Ans-D

26. 'दलित पँथर्स' के कार्यक्रम में निम्नलिखित में से कौन संबंधित नहीं है ?

(A) जाति प्रथा का उन्मूलन

(B) दलित सेना का गठन

(C) भूमिहीन गरीब किसान की उन्नति

(D) औद्योगिक मजदूरों का शोषण से मुक्ति

Ans-D

27. भारत में आपातकाल किस वर्ष लागू हुआ ?

(A) 1975

(B) 1977

(C) 1980

(D) 1982

Ans-A

28. राष्ट्रीय पुनर्वास नीति कब लागू की गयी थी ?

(A) 2003

(B) 2010

(C) 1995

(D) 1947

Ans-A

29. नर्मदा बचाओ आंदोलन का गठन कब किया गया ?

(A) 1985-86

(B) 1977-88

(C) 1988-89

(D) 1989-90

Ans-C

30. 1971 के आम चुनाव में कांग्रेस ने नारा दिया -

(A) भ्रष्टाचार मिटाओ

(B) गरीबी हटाओ

(C) जनसंघर्ष करो

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

31. 'सूचना का अधिकार आंदोलन' की शुरुआत कहाँ से हुई ?

(A) राजस्थान

(B) दिल्ली

(C) तमिलनाडु

(D) बिहार

Ans-A

32. उस कानून का नाम बताएँ जो एक जन आंदोलन के द्वारा प्राप्त किया गया।

(A) सूचना का अधिकार कानून

(B) कम्पनी कानून

(C) उत्पाद कानून

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

33. सम्पूर्ण क्रांति का क्या उद्देश्य था ?

(A) लोकतंत्र की स्थापना

(B) निर्वाचित सरकार को बदलना

(C) सैनिकतंत्र की स्थापना

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

34. निम्नलिखित में कौन किसान यूनियन के नेता थे ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) जय प्रकाश नारायण

(C) महेन्द्र सिंह टिकैत

(D) चौधरी चरण सिंह

Ans-C

35. किसके नेतृत्व में 1977 में जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ था ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) कपूरी ठाकुर

(C) जगजीवन राम

(D) चंद्रशेखर

Ans-A

36. भारत ने गणतांत्रिक संविधान को कब अंगीकार किया ?

(A) 15 अगस्त, 1947

(B) 15 जनवरी, 1950

(C) 26 जनवरी, 1950

(D) 26 अगस्त, 1950

Ans-C

37. बोलीविया में जनसंघर्ष का मुख्य कारण था -

(A) पानी की कीमत में वृद्धि

(B) खाद्यान्न की कीमत में वृद्धि

(C) पेट्रोल की कीमत में वृद्धि

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

38. किस वर्ष राजा ज्ञानेन्द्र के खिलाफ जन आन्दोलन को शुरुआत नेपाल में हुई थी ?

(A) 2000

(B) 2006

(C) 1998

(D) 2009

Ans-B

39. जलयुद्ध किस देश में हुआ था ?

(A) म्यांमार

(B) श्रीलंका

(C) भारत

(D) बोलिविया

Ans-D

40. श्रीलंका कब आजाद हुआ ?

(A) 1947 में

(B) 1948 में

(C) 1949 में

(D) 1950 में

Ans-B

41. म्यांमार का प्राचीन नाम क्या है ?

(A) थायलैंड

(B) बर्मा

(C) बोलिविया

(D) सिलोन

Ans-B

42. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कौन है ?

(A) अमेरिका

(B) चीन

(C) भारत

(D) कनाडा

Ans-C

43. आंग-सान-सू-की ने किस देश में लोकतंत्र की वापसी के लिए आंदोलन किया ?

(A) बोलिबिया

(B) भूटान

(C) म्यांमार

(D) चीन

Ans-A

44. बांग्लादेश कव स्वतंत्र हुआ ?

(A) 1969 ई०

(B) 1970 ई०

(C) 1971 ई०

(D) 1972 ई०

Ans-C

45. नेपाल में वर्तमान समय में किस प्रकार की शासन व्यवस्था है ?

(A) राजतंत्र

(B) सैनिक तानाशाही

(C) लोकतंत्र

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

46. नेपाल में लोकतंत्र की पुनः स्थापना कब हुई ?

(A) 2005

(B) 2006

(C) 2003

(D) 2010

Ans-B

47. नेपाल में सप्तदलीय गठबंधन का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(A) राजा को देश छोड़ने पर मजबूर करना

(B) लोकतंत्र की स्थापना करना

(C) भारत-नेपाल के बीच संबंधों को बेहतर बनाना

(D) सर्वदलीय सरकार की स्थापना करना

Ans-B

48. राजनीतिक दलों की नींव सर्वप्रथम किस देश में पड़ी ?

(A) ब्रिटेन में

(B) भारत में

(C) फ्रांस में

(D) संयुक्त राज्य अमेरिका में

Ans-A

49. किस देश में बहुदलीय व्यवस्था नहीं है ?

(A) पाकिस्तान

(B) भारत

(C) बांग्लादेश

(D) ब्रिटेन

Ans-D

50. राजनीतिक दल का आशय है -

(A) अफसरों के समूह से

(B) सेनाओं के समूह से

(C) व्यक्तियों के समूह से

(D) किसानों के समूह से

Ans-C

51. निम्नलिखित में से किसे 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है ?

(A) सरकार को

(B) न्यायपालिका को

(C) संविधान को

(D) राजनीतिक दल को

Ans-D

52. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रमुख उद्देश्य प्रायः सभी राजनीतिक दलों का होता है ?

(A) सत्ता प्राप्त करना

(B) सरकारी पदों को प्राप्त करना

(C) चुनाव लड़ना

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

53. निम्नलिखित में से कौन-सा विचार लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से मेल नहीं खाता है ?

(A) राजनीतिक दल लोगों की भावनाओं एवं विचारों को जोड़कर सरकार के सामने रखता है।

(B) राजनीतिक दल देश में एकता और अखंडता स्थापित करने का साधन है।

(C) देश के विकास के लिए सरकारी नीतियों में राजनीतिक दल बाधा उत्पन्न करता है।

(D) राजनीतिक दल विभिन्न वर्गों, जातियों, धर्मो की समस्याएँ सरकार तक पहुँचाता है।

Ans-C

54. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य राजनीतिक दल नहीं करता है ?

(A) चुनाव लड़ना

(B) सरकार की आलोचना करना

(C) प्राकृतिक आपदा में राहत से

(D) अफसरों की बहाली संबंधित कार्य

Ans-D

55. ब्रिटेन में गौरवपूर्ण क्रांति कब हुई थी ?

(A) 1555

(B) 1688

(C) 1885

(D) 1795

Ans-B

56. इसमें किस देश में एकदलीय व्यवस्था है ?

(A) ब्रिटेन में

(B) भारत में

(C) चीन में

(D) अमेरिका में

Ans-C

57. नेतृत्व संकट राजनीतिक दल की एक प्रमुख है -

(A) समस्या

(B) विचारधारा

(C) चुनौती

(D) सिद्धान्त

Ans-C

58. लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधि चुनने का अधिकार किसके पास है ?

(A) जनता

(B) विधायक

(C) सांसद

(D) ग्रामसभा

Ans-A

59. किसी भी देश में राजनीतिक स्थायित्व के लिए निम्नलिखित में से क्या नहीं आवश्यक है ?

(A) सभी दलों द्वारा सरकार को रचनात्मक सहयोग देना

(B) किसी भी ढंग से सरकार को अपदस्थ करना

(C) निर्णय प्रक्रिया में सरकार द्वारा सबकी सहमति लेना

(D) सरकार द्वारा विरोधी दलों को नजरबंद करना

Ans-D

60. निम्नलिखित में से कौन-सी चुनौती राजनीतिक दलों की नहीं है ?

(A) राजनीतिक दलों के भीतर समय पर सांगठनिक चुनाव नहीं होना

(B) राजनीतिक दलों में युवाओं और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलना

(C) राजनीतिक दलों द्वारा जनता की समस्याओं को सरकार के पास रखना

(D) विपरीत सिद्धांत रखनेवाले राजनीतिक दलों से गठबंधन करना

Ans-D

61. गठबंधन की सरकार बनाने की संभावना किस प्रकार की दलीय व्यवस्था में रहती है ?

(A) एकदलीय व्यवस्था

(B) द्विदलीय व्यवस्था

(C) बहुदलीय व्यवस्था

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans-C

62. निम्नलिखित में से कौन राजनीतिक दलों के लिए चुनौती नहीं है ?

(A) नेतृत्व का संकट

(B) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव

(C) दल-बदल की राजनीति

(D) संविधान निर्माण

Ans-D

63. वर्तमान में भारत में कितने राष्ट्रीय राजनीतिक दल है ?

(A) 5

(B) 6

(C) 7

(D) 8

Ans-D

64. 1 जनवरी, 2015 को कौन-सी नई संस्था स्थापित की गई है ?

(A) नीति आयोग

(B) राज्य आयोग

(C) राष्ट्रीय आयोग

(D) राज्य परिषद्

Ans-A

65. दल-बदल कानून लागू होता है

(A) सांसदों एवं विधायकों पर

(B) उपराष्ट्रपति पर

(C) राष्ट्रपति पर

(D) इनमें से सभी

Ans-A

66. भारत की दल पद्धति की क्या विशेषता है ?

(A) द्विदलीय पद्धति

(B) बहुदलीय पद्धति

(C) साम्प्रदायिक दलों का अभाव

(D) क्षेत्रीय दलों का अभाव

Ans-B

67. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कब हुई ?

(A) 1979

(B) 1980

(C) 1981

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

68. निम्न में से कौन राष्ट्रीय दल है ?

(A) जनता दल (यू)

(B) डी०एम०के०

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) भारतीय जनता पार्टी

Ans-D

69. राजनीतिक दलों की मान्यता और उसका चिन्ह किसके द्वारा प्रदान किया जाता है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) निर्वाचन आयोग

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

70. निम्नलिखित राजनीतिक दलों में कौन क्षेत्रीय दल है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(C) भारतीय जनता पार्टी

(D) तृणमूल काँग्रे

Ans-D

71. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) मंत्रिमंडल

(D) संसद

Ans-B

72. जनता दल यूनाइटेड नामक राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह क्या है ?

(A) लालटेन

(B) तीर

(C) बंगला

(D) कमाल का फूल

Ans-B

73. सम्प्रति केन्द्र में किसकी सरकार है ?

(A) यू०पी०ए०

(B) भारतीय जनता पार्टी

(C) एन०डी०ए०

(D) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

Ans-C

74. केन्द्र में जनता पार्टी को सरकार कब स्थापित हुई थी ?

(A) 1975

(B) 1976

(C) 1980

(D) 1977

Ans-D

75. 2014 की लोकसभा के चुनाव में किस दल को स्पष्ट बहुमत मिला ?

(A) भारतीय जनता पार्टी को

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस को

(C) जनता पार्टी को

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को

Ans-A

76. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना कब हुई थी ?

(A) 1885

(B) 1993

(C) 1795

(D) 1800

Ans-A

77. इनमें से राष्ट्रीय पार्टी कौन है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) भारतीय जनता पार्टी

(C) जनता दल (यू)

(D) 'A' और 'B' दोनों

Ans-D

78. भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(A) लालकृष्ण आडवाणी

(B) राजनाथ सिंह

(C) सावरकर

(D) अटल बिहारी वाजपेयी

Ans-D

79. 2015 के विधान सभा चुनाव मे बिहार मे किस दल ने सरकार बनाई ?

A) जनता दल (यू)

(B) राष्ट्रीय जनता दल

(C) काँग्रेस

(D) तीनों दल मिलाकर

Ans-D

80. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना किसने किया ?

(A) पं० जवाहरलाल नेहरू

(B) महात्मा गाँधी

(C) श्रीमती इंदिरा गाँधी

(D) ए० ओ० ह्यूम

Ans-D

81. राजनीतिक दल को कौन-सा सदन कहते हैं ?

(A) उच्च सदन

(B) निम्न सदन

(C) तृतीय सदन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

82. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय दल नहीं है ?

(A) भारतीय काँग्रेस

(B) बहुजन समाज पार्टी

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) भारतीय जनता पार्टी

Ans-C

83. बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कौन थे ?

(A) अम्बेडकर

(B) कांशीराम

(C) मायावती

(D) राम विलास पासवान

Ans-B

84. जनता दल युनाइटेड पार्टी का गठन कब हुआ ?

(A) 1992 ई०

(B) 1995 ई०

(C) 1999 ई०

(D) 2003 ई०

Ans-C

85. सत्रहवी लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

(A) 2010 ई०

(B) 2014 ई०

(C) 2015 ई०

(D) 2019 ई०

Ans-D

86. 15 वीं लोकसभा में महिलाओं की कितनी भागीदारी थी ?

(A) 10.86 प्रतिशत

(B) 12.20 प्रतिशत

(C) 13 प्रतिशत

(D) 24 प्रतिशत

Ans-A

87. निम्न में से कौन क्षेत्रीय राजनीतिक दल है ?

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(C) जनता दल (यूनाइटेड)

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

Ans-C

88. निम्न में से कौन राष्ट्रीय दल नहीं है ?

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(C) बहुजन समाज पार्टी

(D) राष्ट्रीय जनता दल

Ans-D

89. लोक जनशक्ति पार्टी का चुनाव चिह्न क्या है ?

(A) लालटेन

(B) तीर

(C) बंगला

(D) साइकिल

Ans-C

90. भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है ?

(A) हाथ का पंजा

(B) कमल का फूल

(C) गेंदा का फूल

(D) चक्र

Ans-B

91. निम्न में से कौन वामपंथी दल है ?

(A) सी०पी० आई

(B) मुस्लिम लीग

(C) समाजवादी पार्टी

(D) तृणमूल कांग्रेस

Ans-A